चमत्कारिक आन्दोलन से सावधान रहिये !

(Watch out for the Charismatic Movement!)

आज अनेक लोग चमत्कारिक सभाओं में शामिल होते हैं. जो कुछ वे देखते और सुनते हैं इससे बहुत लोग आश्चर्य करते हैं. इन सभाओं में आपको समझ से परे भाषाओं, स्पर्श मात्र से मूर्छित होकर गिर जाना, मोह निद्रा लाने वाले शब्दों का बारबार उच्चारण, असंयमित हंसी, निशब्दता और उठे हुए हाथ और मोहित व्यवहार का अनुभव हो सकता है. चमत्कारिक आन्दोलन में विश्वास करने वाले लोगों के अनुसार उत्तेजित करने वाली मनोदशा उनके मध्य में परमेश्वर के पवित्र आत्मा की उपस्थिति और परमेश्वर के कार्य का प्रमाण है.

क्या आप उपरोक्त में से किसी भी बात को चुनौती देने का साहस रखते हैं ? किसी पर दोष लगाना हमारा कार्य नहीं है. ऐसा करने का हमें कोई अधिकार भी नहीं है, लेकिन यह जानने के लिए कि इन बातों के पीछे कौन सी शक्तियाँ हैं, बाइबल के अनुसार इनको परखना ग़लत भी नहीं है.

परख

बाइबल हमसे कहती है कि हम परखें और सावधान रहें. पहला यूहन्ना 4 अध्याय के 1 पद में हम पढ़ते हैं : **'' हे प्रियो, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, वरन आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं'' – 1 यूहन्ना 4:1.**

आज समस्या इस बात की है कि जब कोई व्यक्ति परखना या प्रश्न पूछना आरम्भ करता है तो उस पर ''आलोचक'' होने, ''टुकड़ों में बिखेरने वाले आन्दोलन'' का कार्यकर्ता होने या ''प्रेम की आत्मा'' रहित होने का ''लेबिल'' लगा दिया जाता है. लेकिन जो लोग आप पर ऐसे ''लेबिल'' लगाते हैं, शायद ही कभी कोई घर या सम्पत्ति बिना देखे-परखे खरीदेंगे. आइए हम इसलिए चमत्कारिक आन्दोलन की परख करें और इसकी तुलना परमेश्वर के वचन के साथ करें.

चूंकि इन सभाओं में चमत्कार और आश्चर्यकर्म होते हैं, और बाइबल भी बार-बार यह बताती है कि परमेश्वर और शैतान दोनों ही अपने-अपने मानवीय कार्यकर्ताओं द्वारा आश्चर्यकर्म कर सकते हैं. हमारे लिए यह जानना लाभदायक होगा कि आश्चर्यकर्म करने वाले कौन लोग परमेश्वर की ओर से हैं और कौन से लोग शैतान की ओर से हैं ?

विश्वास योग्य सेवक या धोखेबाज कार्यकर्ता ?

नये नियम से हमें इस बात के अनेक उदाहरण मिलते हैं कि यीशु और उसके चेलों ने किस प्रकार चंगाई और चमत्कार किये. चंगाई यीशु के नाम से दी गई, पवित्र आत्मा ने उनके द्वारा कार्य किया और लकवे के मारे हुए रोगी के हाथ-पांव चंगे हो गये.

लेकिन बाइबल यह भी बताती है कि शैतान भी अपने मानवीय ऐजेन्टों द्वारा चमत्कार कर सकता है. पौलुस द्वारा कुरिन्थियों के नाम लिखे दूसरे पत्र के 11 अध्याय के 13-15 पदों में हम पढ़ते हैं: **''क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, और छल से काम करने वाले और मसीह के प्रेरितों का रूप धरने वाले हैं. और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं, क्योंकि शैतान आप भी ज्योर्तिमय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है. सो यदि उसके सेवक भी धर्म के सेवकों का रूप धारण करें तो कुछ बड़ी बात नहीं, परन्तु उनका अन्त उनके कामों के अनुसार होगा.''**

आश्चर्य कर्म, चिन्ह और चमत्कार!

बहुत लोग यह समझने लगे हैं कि इस संसार में बड़े बदलाव और बड़ी उथल-पुथल और अन्त समय के दूसरे चिन्ह यह दिखाते हैं कि जगत का उद्धारकर्ता यीशु मसीह बहुत शीघ्र वापस आने वाला है. लेकिन यीशु के वापस आने से पहले बाइबल हमारा ध्यान इस तथ्य की ओर ले जाती है कि शैतान प्रत्येक प्रकार के झूठे चिन्हों और चमत्कारों द्वारा लोगों को भरमायेगा. **''उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ और चिन्ह, और अद्‌भुत काम के साथ होगा'' – 2 थिस्सलुनीकियों 2:9.**

बाइबल यह भी बताती है कि यीशु के पुनः आगमन से पूर्व इस संसार के शासक गण चिन्ह दिखाने वाली अशुद्ध आत्माओं के द्वारा भरमाये जायेंगे. **(प्रकाशित वाक्य 16:13-14).**

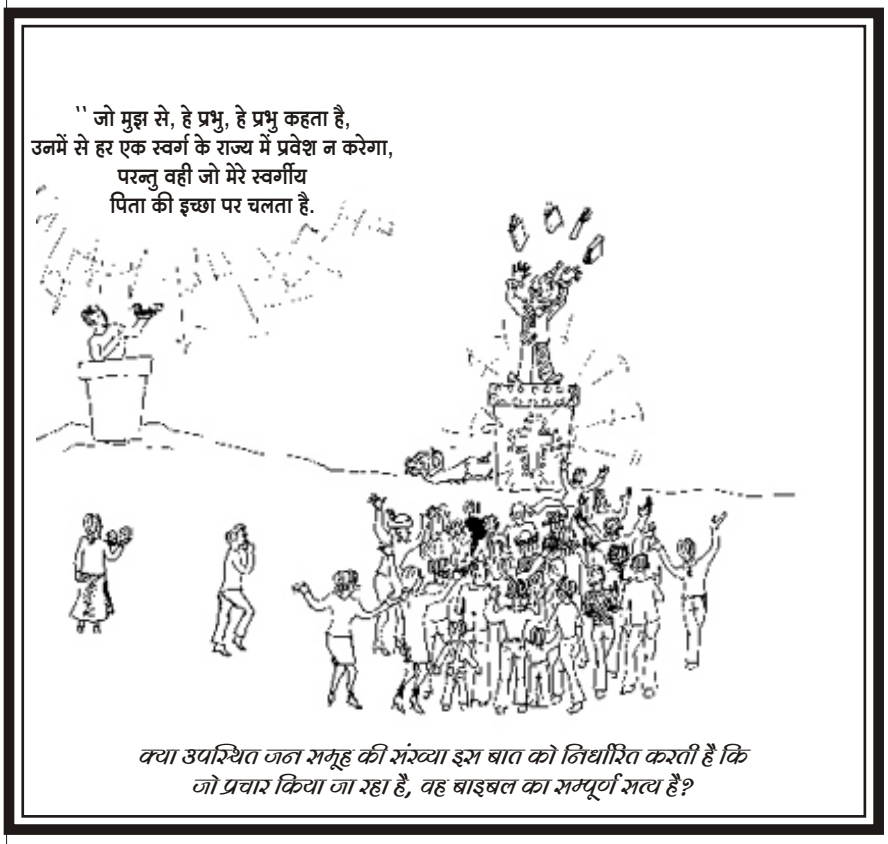

क्या उपस्थित जन समूह की संख्या इस बात को निर्धारित करती है कि जो प्रचार किया जा रहा है, वह बाइबल का सम्पूर्ण सत्य है?

यीशु ने स्वयं कहा है, **'' जो मुझ से, हे प्रभु, हे प्रभु कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है. उस दिन बहुतेरे मुझ से कहेंगे. हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हमने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत अचम्भे के काम नहीं किये? तब मैं उनसे खुल कर कह दूँगा कि मैं ने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करने वालो, मेरे पास से चले जाओ'' – मत्ती 7:21-23.**

आज बहुत लोग दावा करते हैं कि उनका सन्देश और आश्चर्य कर्म परमेश्वर की ओर से हैं. लेकिन आप प्रत्येक आत्मा की प्रतीति न करें, बल्कि आत्माओं को परखें कि क्या वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं, यीशु बताता है हम उन्हें उनके कामों से पहिचान सकते हैं. **मत्ती 7:15-20.** क्या उनका जीवन परमेश्वर के पवित्र वचन में बताये गये सिद्धान्तों और शिक्षाओं के अनुसार है कि नहीं ? जैसा कि हमने अभी पढ़ा है बाइबल बताती है कि बहुत लोग यीशु के नाम से चंगा करेंगे, यीशु के नाम से दुष्टात्माओं को भी निकालेंगे, यीशु के नाम से चिन्ह और चमत्कार दिखायेंगे, लेकिन उस दिन यीशु उनसे कह देगा **''मैं ने तुमको कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करने वालो, मेरे पास से चले जाओ'' – मत्ती 7:21-23.**

परमेश्वर का आत्मा कौन प्राप्त कर सकता है ?

चमत्कार स्वयं यह नहीं बता सकते कि उनका स्रोत परमेश्वर में है या शैतान में है? यह जानने के लिए कि उनका कर्ता परमेश्वर है या शैतान, यीशु हमसे निवेदन करता है कि हम सबसे पहले परमेश्वर के राज्य की खोज करें **(मत्ती 6:33).** सबसे पहले हमें परमेश्वर के वचन का अध्ययन करके, उसकी इच्छा को जानना है, और फिर देखना होगा कि ये लोग परमेश्वर की इच्छानुसार चल रहे हैं या नहीं? क्या वे अपने प्रतिदिन के जीवन में यीशु के पदचिन्हों पर चल रहे हैं? क्या उनका जीवन और प्रचार यीशु के जीवन और प्रचार से मेल खाता है? सच्चे और झूठे को परखने का मापदण्ड यही है, किन्तु ये लोग किस प्रकार का सन्देश प्रचार करते हैं? क्या इसे सुनने के बाद आपके अन्दर परमेश्वर का भय मानने और उसको प्रेम करने की इच्छा उत्पन्न होती है? क्या आपके अन्दर परमेश्वर की आज्ञाओं का विश्वास योग्यता से पालन करने और यीशु के प्रति प्रेम करने की चाहत उत्पन्न होती है. प्रेरित यूहन्ना लिखता है: **''जो कोई यह कहता है कि मैं उसे जान गया हूँ और उसकी आज्ञाओं को नहीं मानता वह झूठा है और उसमें सत्य नहीं''-1 यूहन्ना 2:4.** जो लोग धार्मिकता का मापदण्ड परमेश्वर की दस आज्ञाओं अर्थात नैतिक व्यवस्था के बड़े महत्व को नहीं समझते, जो परमेश्वर की किसी छोटी से छोटी आज्ञा को तुच्छ जानते हुए जान-बूझ कर उसका उल्लंघन करते हैं, और दूसरों को भी आज्ञा उल्लंघन करना सिखाते हैं, वे लोग परमेश्वर की दृष्टि में अधर्मी हैं **(मत्ती 5:17-19),** इस दशा में उनकी शिक्षा परमेश्वर की ओर से नहीं हो सकती. वे तो विद्रोह के उस कार्य को आगे बढ़ाने वाले हैं जो परमेश्वर और मानवता के शत्रु शैतान ने आरम्भ किया था.

बहुत से हैं जो विश्वास करते हैं कि वे सही हैं, जबकि वे ग़लत हैं. वे यह दावा करते हैं कि यीशु उनका प्रभु है और यह घोषणा करते हैं कि वे यीशु के नाम से महान काम करते हैं, परन्तु वास्तव में वे दुष्ट शैतान का काम कर रहे हैं. **''वे प्रजा के समान तेरे पास आते और मेरी प्रजा बनकर तेरे सामने बैठकर तेरे वचन सुनते हैं, परन्तु वे उन पर चलते नहीं; मुँह से तो वे बहुत प्रेम दिखाते हैं, परन्तु उनका मन लालच में ही लगा रहता है'' – यहेजकेल 33:31.**

मसीही होने का ढोंग करने से कोई लाभ नहीं है, शायद ही आपने कभी किसी को ऐसा प्रचार करते सुना होगा जो मनुष्य को बदलता और उसका उद्धार करता है. वे कहते हैं कि केवल विश्वास करें, फिर आपको आज्ञाओं का पालन करने की कोई आवश्यकता नहीं है. लेकिन ऐसा विश्वास जो आज्ञा पालन के लिए प्रेरित न करे, एक मृतक विश्वास है- **याकूब 2:14-26, 1 यूहन्ना 5:3, यूहन्ना 14:23-24.**

इस प्रकार स्पष्ट है कि परमेश्वर का आत्मा हर किसी को नहीं दिया जाता है. परमेश्वर ही यह फैसला करेगा कि उसका आत्मा किस को दिया जाना चाहिए, परमेश्वर ही फैसला करेगा कि वह किसके द्वारा कार्य करेगा. परमेश्वर ही यह फैसला करेगा कि कौन उसका राजदूत बनेगा. इसलिए बाइबल बहुत स्पष्ट रूप से बताती है कि **जो उसकी आज्ञाओं का पालन करते हुए उसकी इच्छानुसार चलते हैं**, वे ही पवित्र आत्मा प्राप्त करेंगे-**प्रेरितों के काम 5:32**

इसके अलावा परमेश्वर का एक सच्चा भक्त परमेश्वर द्धारा होने वाली चमत्कारिक चंगाई के लिए धन या उपहार कभी भी स्वीकार नहीं करेगा. परमेश्वर का भक्त यही घोषणा करेगा कि परमेश्वर ही एक मात्र वह व्यक्ति है जो आदर और महिमा के योग्य है–**2 राजा 5 अध्याय** और **1 राजा 13:6–8.** यह बात आज कल के उन लोगों का असली चरित्र उजागर करती है जो यीशु के नाम से चंगाई बेचते हैं. आज प्रायः प्रत्येक चंगाई कर्ता को देख सकते हैं जो या तो स्वयं या फिर उनके सहकर्मी तत्परता से 'दान' और 'भेंटों' की माँग करते हैं.

हम जानते हैं कि अनेक चमत्कारी लोग एन.एल.पी. (न्यूरो लिंग्युस्टिक प्रोग्रामिंग), एक प्रकार की वशीकरण विधि का प्रयोग करते हैं, जिसका प्रयोग विक्री प्रतिनिधि, राजनेता गण, चमत्कारी और दूसरे लोग अपना माल या विचारों को बेचने के लिए करते हैं. **''फ्रीडम्स रिंग'' द्वारा बॉब ट्रेफ़्ज़, मार्च 1991, पृष्ठ 9–18**

चमत्कारिक आन्दोलन में आत्मा का अनुभव प्राप्त करने पर बहुत जोर दिया जाता है. लेकिन चीखना, बेहोश हो जाना, बार–बार हल्लिुयाह चिल्लाना, यह प्रमाणित नहीं करता कि उनके मध्य परमेश्वर का आत्मा है कि नहीं. परमेश्वर को सचेत और गंभीर लोग चाहिए ना कि बेहोश, अचेतन, और भूमि पर पड़े पैर पटकते और अनियंत्रित हंसी में आधे पागल नज़र आने वाले लोग. शैतान दूषित अनुभव लाने में माहिर है जब कि बाइबल कहती है, **''सब बातें सभ्यता और क्रमानुसार की जायें''–1 कुरिन्थियों 14:40.** यीशु मसीह और बाइबल की सच्चाई ही हमें स्वतंत्र करके एक सच्ची जागृति दे सकती है, न कि भावनात्मक बातों से ओत–प्रोत जन संभाए–**यूहन्ना 8:32–34**

सम्पूर्ण बदलाव ही सच्ची जागृति है

अनेक प्रकार की जागृतियाँ देखी जा सकती हैं. सच्ची जागृति तब आती है जब हम यीशु को अपने हृदय में आमंत्रित करते हैं. फिर हम पवित्र आत्मा की सामर्थ पाते हैं जो हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है. इसके बाद हमारे जीवन में एक नवीनीकरण आता है. इसमें अनियंत्रित भावनाओं का हम पर कोई नियन्त्रण नहीं होता है. फिर हम शारीरिक अभिलाषाओं, और सांसारिक–भोग विलास और परीक्षाओं को नकार कर पवित्र आत्मा के अधीन रहते हुए पवित्र जीवन बिताते हैं. जब तक हम जीवित हैं पापी स्वभाव तो बना रहेगा, लेकिन हम पवित्र आत्मा की सामर्थ से, पापी स्वभाव को हमारे मन और जीवन पर नियन्त्रण नहीं करने देते हैं. पवित्र आत्मा को प्राप्त करके हम स्वर्गीय स्वभाव के भागीदार बन जाते हैं, और जब तक हम यीशु की निकटता में रहकर उसकी इच्छानुसार चलते हैं, यह स्वर्गीय स्वभाव हम में बना रहता है–**2 पतरस 1:3–4, 1 यूहन्ना 3:9, 2:1–2.**

जब पवित्र आत्मा हमारे मनों को नियंत्रित करता है तो फिर हम अशुद्धता, ठगी, व्यभिचार, भोग–विलास, ईर्ष्या और पाप से सम्बंध रखने वाली प्रत्येक बात से अलग हो जाते हैं. फिर हम संसार और इसमें की किसी वस्तु से नहीं किन्तु यीशु से और उसके वचन और जीवन द्धारा प्रकट सच्चाइयों से प्रेम रखते हैं. हम नया मन, नये उद्देश्य और नये लक्ष्य प्राप्त करते हैं. लोग देखेंगे कि हम में एक सकारात्मक बदलाव आ चुका है. आत्मा का फल जैसे प्रेम, आनन्द, शान्ति, भलाई, धैर्य जैसी उत्तम बातें हम में पायी जायेंगी–**गलतियों 5:22.** दूसरे शब्दों में, हमारा चरित्र परिवर्तन हो जायेगा. संसार की दूषित अभिलाषाओं और भोगविलास में न पड़के प्रतिदिन अपने जीवन से यीशु को प्रकट करना एक सच्चा आनन्द और सौभाग्य है. ऐसा हम स्वयं की शक्ति से अकेले तो नहीं कर सकते, लेकिन मसीह की महिमा के लिए जीवन बिताना और परीक्षाओं पर जय पाने के प्रयास में हम अपनी दुर्बलता के साथ यीशु की सामर्थ को शामिल कर सकते हैं–**फिलिप्पियों 2:12–13.** यीशु और बाइबल जिस प्रकार की जागृति और परिवर्तन की शिक्षा देते हैं: वह आदेश मिलते ही अचेत हो जाने, वशीकरण करने वाले शब्दों के बार–बार उच्चारण करने, अनियंत्रित उत्तेजनामय हंसी से एक दम अलग है.

जब नया जन्म प्राप्त मसीही यीशु मसीह द्धारा हमारे प्रति किये गये असीमित प्रेम के विषय सीखता है जो हमें बचाने के लिए उसने किया है, तब वह व्यक्ति यीशु को गंभीरता से प्रेम करता है. वह यीशु का चेला बनना चाहता है और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन से दूसरों को स्वर्गीय मार्ग पर चलने में मदद करता है.

प्रिय पाठक, याद रखें, भले ही आप स्वयं को दीनता में परमेश्वर के पास प्रार्थना में आने के अयोग्य समझते हैं. भले ही आप पाप में गहरे तक गिर चुके हैं. यीशु, उड़ाऊ पुत्र के पिता के समान खुली बाहों से आपको स्वीकार करने के लिए तब तक इच्छुक है जब तक आप अपने पापों को त्याग कर पश्चाताप करने के इच्छुक हैं. पवित्र आत्मा कहता है कि आप यह फैसला आज और अभी करें. यदि आपको सन्देह है कि यीशु आपको स्वीकार करेगा कि नहीं तो उसके प्रेम भरे शब्दों को याद करें. **''जो कोई मेरे पास आयेगा, उसे मैं कभी न निकालूंगा'' यूहन्ना 6:37, लूका 15:11–32.** यीशु का प्रेम पतित मानव के लिए अत्यन्त महान है.

वे बाइबल के सही सन्देश का प्रचार करेंगे!

वे सब जो स्वयं को परमेश्वर के समक्ष दीन बनाकर अपने पापों से पश्चाताप करके विश्वास से यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करते हैं. अपने पापों से क्षमा प्राप्त करेंगे. वे बपतिस्मा लेकर, परमेश्वर के अनुग्रह से अपने जीवन में शक्ति स्रोत के रूप में पवित्र आत्मा प्राप्त करेंगे. पवित्र आत्मा की सामर्थ से पवित्र जीवन बिताते हुए दूसरों के उद्धार का कारण बनना उनका प्रथम उद्देश्य होगा. वे बाहर जाकर बाइबल के सही सन्देश का प्रचार करेंगे.

वे प्रचार करेंगे कि केवल यीशु ही है जो हमारा उद्धार कर सकता है और यह हम पर निर्भर करता है कि हम विश्वास द्धारा अनुग्रह से उद्धार के वरदान को स्वीकार करें–**यूहन्ना 14:6, व 3:16.**

वे प्रचार करेंगे कि यदि हम यीशु के निकट बने न रहकर पाप करें तो परमेश्वर हमें उसी दशा में धर्मी मानेगा जब हम सम्पूर्ण हृदय से अपने पापों से पश्चाताप करके उद्धार के वरदान को पुनः प्राप्त करेंगे–**1 यूहन्ना 2:1–2, इब्रानियों 8:1–2**

वे प्रचार करेंगे कि ठीक जैसे यीशु इस संसार में पापी स्वभाव के साथ आया और परमेश्वर से सामर्थ और शक्ति पाकर प्रत्येक परीक्षा में विजयी हुआ **(यूहन्ना 5:30),** उसी प्रकार हम भी परमेश्वर की सहायता से प्रत्येक आज़माइश जिसका हम सामना करते हैं, जय प्राप्त कर सकते हैं– **1 कुरिन्थियों 10:13, मत्ती 28:18.**

वे केवल यही प्रचार नहीं करेंगे कि परमेश्वर प्रेम है बल्कि, **''परमेश्वर का प्रेम यह है कि हम उसकी आज्ञाओं को मानें और उसकी आज्ञाएं कठिन नहीं हैं.''** वे आज्ञाएं नहीं जो कैटाकिज़्म में पायी जाती हैं किन्तु वे आज्ञाएं जो **निर्गमन 20:3–17** में पायी जाती हैं

वे प्रचार करेंगे कि यीशु पिता के साथ था, वह परमेश्वर था. वह सृष्टिकर्ता है. जब यीशु मानव जाति को पाप से बचाने आया तो उसने अपनी दिव्यता को मानवता से ढक लिया था. 4000 वर्षों से मानव जाति शारीरिक शक्ति, मानसिक क्षमता और नैतिक मूल्यों में निरन्तर गिरती जा रही थी. और मसीह अपने ऊपर इसी पतित स्वभाव के साथ इस संसार में आया. वह हमारे समान प्रत्येक बात में परखा तो गया, लेकिन उसने कभी पाप नहीं किया–**इब्रानियों 2:16–18, 4:15–17**. केवल इसी तरह वह हमें बचा सकता था.

वे प्रचार करेंगे कि यदि हम अपना जीवन सम्पूर्ण हृदय से यीशु मसीह के लिए समर्पित कर देते हैं तो हम भी **ईश्वरीय स्वभाव के समभागी** हो जायेंगे–**2 पतरस 1:3–4**

वे प्रचार करेंगे कि हम पवित्र आत्मा द्वारा आवश्यक सामर्थ और शक्ति प्राप्त करेंगे, क्योंकि **जो कोई परमेश्वर से जन्मा है, वह पाप नहीं करता, क्योंकि उसका बीज उसमें बना रहता है. और वह पाप कर ही नहीं सकता, क्योंकि परमेश्वर से जन्मा है–1 यूहन्ना 3:9, 2 पतरस 1:10**

वे प्रचार करेंगे कि हमारे जीवन में परिवर्तन अभी और यीशु के पुनः आगमन से पहिले होना चाहिए कि जब वह पुनः स्वर्ग के बादलों पर आये तो हम शुद्ध और तैयार पाये जायें. क्योंकि **''उसमें कोई अपवित्र वस्तु या घृणित काम करने वाला, या झूठ का गढ़ने वाला, किसी रीति से प्रवेश न करेगा, पर केवल वे लोग जिनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे हैं''–प्रकाशितवाक्य 21:27; रोमियों 12:1–2, याकूब 1:4, 1 थिस्सलुनीकियों 4:13–18.** क्या आपको सन्देह है कि यीशु प्रत्येक परीक्षा में आपको विजयी बना सकता है? जब तक हम एक पेड़ की शाखा के समान यीशु में बने रहते हैं, हम प्रत्येक पाप पर जय पाने के लिए आवश्यक सहायता प्राप्त करते हैं. **1कुरिन्थियों 10:13, यूहन्ना 15:1–5.** आपने इस प्रकार का प्रचार कब सुना था? कितना आश्चर्य जनक है वह आत्मा जो ऐसे प्रचारकों को चिन्ह और चमत्कार दिखाने, चीखने–चिल्लाने की सामर्थ तो देता है किन्तु परमेश्वर की आज्ञाओं को मानने की क्षमता नहीं दे सकता है? यदि ये लोग वास्तव में परमेश्वर के आत्मा के अनुसार चल रहे होते तो परमेश्वर के पवित्र वचन का इतना अपमान कभी नहीं करते– **भजन संहिता 138:2**

आइए पवित्र आत्मा और अपवित्र आत्मा की तुलना करें.

प्रकाशितवाक्य 13:11,12: यह दूसरा पशु अपवित्र आत्मा है. यह मेम्ने जैसा दिखाई देता है. लेकिन बोलता अज़ग़र के समान है. इसे अधिकार अजगर शैतान से प्राप्त होता है. और यह प्रत्येक को शैतान के पुत्र की पूजा करने के लिए विवश करता है.

यूहन्ना 14:26: पवित्र आत्मा पिता परमेश्वर की ओर से दिया जाता है. पवित्र आत्मा यीशु की महिमा करता है और लोगों को यीशु की आराधना करने के लिए प्रेरित करता है. **यूहन्ना 16:13–14.**

प्रकाशितवाक्य 13:13: अपवित्र आत्मा लोगों को चिन्ह और चमत्कारों के द्वारा भरमाता है. वह स्वर्ग से आग बरसा कर लोगों को भ्रमित करता है.

प्रेरितों के काम 2:1–4: पवित्र आत्मा स्वर्ग से आग के रूप में उतरा. वे अन्य–अन्य भाषाओं में बोलते हुए उनके आस–पास खड़े लोगों को सुसमाचार सुनाने लगे. यह ऐसी भाषाएं थी जिन्हें सुनने वाले भली भांति समझ रहे थे.

प्रकाशितवाक्य 16:13–14: शैतानों की आत्माएं अजगर (शैतान) के मुंह से, पशु (शैतान के पुत्र पोप) के मुंह से और झूठे भविष्यद्वक्ता (पतित प्रोटेस्टेन्टिज़्म) के मुंह से निकलती है. अपवित्र आत्मा लोगों को ऐसी भाषा बोलने के लिए प्रेरित करती है, जिसे कोई नहीं समझता, और दावा करती है कि यह भाषाएं परमेश्वर की ओर से हैं. वास्तव में ये भाषाएं जो किसी के समझ में नहीं आती शैतान की ओर से हैं.

2थिस्सलुनीकियों 2:7–13: यह पाप पुरूष अपने झूठे आश्चर्य कार्यों द्वारा उन सब को भरमाता है जो परमेश्वर के वचन में प्रकाशित सत्य के प्रेम को स्वीकार नहीं करते.

यूहन्ना 14:16–17: पवित्र आत्मा सत्य का आत्मा है.

प्रकाशितवाक्य 13:14,15: अपवित्र आत्मा लोगों को बहुत से आश्चर्य कर्मों द्वारा भरमाता है. अपवित्र आत्मा आज्ञा देता है कि शैतान के पुत्र की एक मूरत बनाई जाये, और जो कोई उस मूरत की पूजा न करे, मार डाला जाये.

2पतरस 1:20,21: पवित्र आत्मा बाइबल का लेखक है और हमें सांतवना देता है.

प्रकाशितवाक्य 13:15–18: अपवित्र आत्मा लोगों को पशु की छाप लेने के लिए विवश करता है.

इफिसियों 4:30: पवित्र आत्मा हम पर परमेश्वर की मुहर लगाता है.

यह झूठी आत्मा है जो शैतान की ओर से आकर इन अन्तिम दिनों में लोगों को भरमाता है. यह पशु, पोपियत के घाव लगने और चंगे होने के बाद उतरता है और सारा संसार इसके पीछे आश्चर्य करता हुआ चलता है. जिस प्रकार पवित्र आत्मा कलीसिया पर यीशु के पुनरूत्थान, और स्वर्गारोहण के बाद उतरा, उसी प्रकार से इस झूठे आत्मा का प्रकटीकरण तब तक नहीं हुआ जब तक पोपियत को लगा बड़ा घाव चंगा नहीं हो गया.

यह पशु आधुनिक आत्मावाद है. यह आश्चर्य कर्म करता है; लोगों को चंगा करता है, मूर्तियों के द्वारा बातें करता है और ऐसे दिखाता है कि मृतक लोग उनसे बातें कर सकते हैं, और इस प्रकार यह उन्हें भरमाता है. यह दूसरा पशु लोगों से ऐसी भाषा बुलवाता है जो पूरी तरह से समझ से परे है. ये लोग इस भाषा का श्रेय परमेश्वर को देते हैं जबकि ऐसा नहीं है. लोग सोचते हैं कि वे इन झूठी भाषाओं द्वारा परमेश्वर की महिमा कर रहे हैं. परन्तु वे लोग स्वयं को और शैतान को महिमा देते हैं. चूंकि वे सोचते हैं कि पवित्र आत्मा से भरे हुए हैं, जो वास्तव में शैतान की भरमाने वाली आत्मा है, वे विश्वास करने लगते हैं कि अब उन्हें परमेश्वर की आज्ञाओं को मानने की आवश्यकता नहीं है. इसी बड़े धोखे के द्वारा वे लोग जो स्वयं को मसीही कहते हैं, यीशु के पुनः आने से पहिले उन लोगों को सतायेंगे जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं. हमें यह बात भली भांति समझ लेना चाहिए कि शैतान द्वारा भरमाने का काम झूठे चिन्ह और चमत्कारों द्वारा किया जा रहा है जबकि सत्य क्या है इसकी परख केवल पवित्र बाइबल के द्वारा ही हो सकती है. परमेश्वर के पवित्र वचन में कुछ भी बढ़ाने या घटाने का अधिकार परमेश्वर ने कभी किसी को नहीं दिया–**नीतिवचन 30:5-6; प्रकाशितवाक्य 22:18-19.**

अन्तिम समय आ गया है. शैतान लगभग सभी को भरमाने में सफल हो चुका है. प्रायः पूरा संसार शैतान के पुत्र पोप के पीछे आश्चर्य करता हुआ चल रहा है और बहुत लोग भ्रम की आत्मा से भरे हुए हैं. जो कि शैतान की आत्मा है. लेकिन वे इसे परमेश्वर का आत्मा बताते हैं. हमें प्रतिदिन पवित्र वचन पढ़ने और इसे अपने हृदय में रखने की आवश्यकता है कि हम धोखे से बच सकें.

उद्धार और चेतावनी का सन्देश

प्रिय पाठक, यह आवश्यक है कि हम अभी स्वयं को यीशु के पक्ष में कर लें, ताकि यीशु के पुनः आने से पहिले उस बड़े आन्दोलन का भाग बनने के लिए हमें परमेश्वर का आत्मा प्राप्त हो. इस बड़े आन्दोलन जिसका वर्णन **प्रकाशितवाक्य 14:6-12** में पाया जाता है, के पीछे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है. इसे हम तीन स्वर्ग दूतों का संदेश भी कहते हैं. इस विशेष सन्देश का प्रचार परमेश्वर के विश्वासयोग्य सेवकों द्वारा यीशु के पुनः आगमन से पूर्व किया जायेगा. परमेश्वर की प्रत्येक सन्तान से अनुरोध किया जाता है कि वे सभी प्रकार के झूठे धार्मिक संगठनों और बेदारियों को छोड़ कर अलग हो जायें, ताकि हम पापियों के धर्म त्याग में सहभागी न हों– **प्रकाशितवाक्य 18:1-4. क्या आप इस चुनौती को स्वीकार करेंगे?** याद रखें जिसके पक्ष में यीशु है विजय उसी की होगी. यीशु कहता है कि "**स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है. इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ**"–**मत्ती 28:18-19.**

आइए आवश्यक बातों को पुनः दोहरा लें

हमें यह समझ लेना चाहिए कि चमत्कारिक आन्दोलन एक विश्वव्यापी आन्दोलन है. एक ऐसा आन्दोलन जो झूठे चमत्कारों द्वारा संसार को शैतान के नेत्रत्व में एकीकृत करने के प्रयास में लगा है. यह आन्दोलन मसीहत के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों को भी अपने साथ एकीकृत करने की इच्छा रखता है. विश्वास की ढाल को उतार फेंकने वाले प्रोटेस्टेन्टस, कैथोलिक और अन्य सभी मतों के लोगों के साथ अन्त समय में एकता के बंधन में बंध जायेंगे. शैतान अपने उद्देश्य की सफलता के लिए उन सब को आत्मावाद के द्वारा भरमा कर एक जुट करेगा. अनेक लोग इस संगठन को एक आन्दोलन के रूप में देखेंगे जिसके द्वारा सारे संसार को 'कन्वर्ट' करके मसीही बनाया जा सकता है. इसी के द्वारा चिर प्रतीक्षित मिलेनियम (शान्ति का 1000 वर्ष का काल) की घोषणा की जायेगी. हम इसकी शुरूआत को अभी से देख सकते हैं.

मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम सब पूरी रीति से सम्पूर्ण हृदय के साथ यीशु के पक्ष में खड़े हो जायें कि हम पवित्र आत्मा प्राप्त कर सकें. उसके बाद ही हम सच और झूठ में भेद कर सकेंगे. तभी हम यीशु के शीघ्र आगमन के लिए तैयार हो सकते हैं, जब वह आकर हमें स्वर्ग को ले जायेगा. परमेश्वर करे कि आप और मैं उन धन्य लोगों में पाये जायें.

धन्य आशा में
बेन्टे और एबिल स्ट्रउक्सनेस
क्रिश्चयन इन्फोर्मेशन सर्विस, नॉर्वे

हिन्दी रूपांतरण : बरकत मैसी –
अधिक जानकारी के लिए
सम्पर्क करें : 24-ए, प्रेम नगर कॉलोनी,
नारियल खेड़ा, भोपाल-462038
ई-मेल : heraldofadvent@yahoo.com
मोबाइल : 9827 266186, 09993 304778

If you would like to help out distributing this or other pamphlets, or download some of them, click here!

The following pamphlets are available in English, and are mailed to your upon request free of charge-please contact us.

* The Struggle Behind the Scenes
* The Elite Tightens the Grip
* Watch out for the Power Elite and the Global Union!
* Watch out for the Ecumenical Movement!
* Liberty in Danger!
* Israel in the End of Time
* The Marian Apparitions
* Charta Oecumenica
* 666, the Beast, the Marks of the Beast
* The Path of Health